Date: 18-03-2021
Event: Seven Days NSS camp
Highlight: Surender Parmar (Retired Principal Higher Education) as a resource person educated the NSS volunteer about the importance of moral values in life.

कुल्लू : सत्र के बाद एन.एस.एस. के स्वयंसेवी सामूहिक चित्र में। (लक्ष्मण)

'जीवन में नैतिक मूल्यों का महत्व बताया'

बंजार महाविद्यालय में चल रहा एन.एस.एस. शिविर

बंजार, 18 मार्च (लक्ष्मण): बंजार महाविद्यालय में चल रहे 7 दिवसीय एन.एस.एस. शिविर के चौथे दिन अकादमिक सत्र में सेवानिवृत्त प्राचार्य उच्च शिक्षा विभाग सुरेंद्र परमार ने शिरकत की। इस अकादमिक सत्र का संचालन स्वयंसेवी ट्विकल और विजय ने किया। कार्यक्रम के आरंभ में एन.एस.एस. इकाई की संयोजिका सहायक प्रोफैसर मोनिका ने उन्हें सम्मानित किया। उसके बाद सुरेंद्र परमार ने जीवन में नैतिक मूल्यों का महत्व विषय पर अपने विचार स्वयंसेवियों के साथ सांझा किए। उन्होंने अपने वक्तव्य की शुरूआत अपने आरंभिक शैक्षणिक जीवन से की। उन्होंने महात्मा गांधी का उदाहरण देकर कहा कि वह सच्चे अर्थों में एक फकीर थे और उत्कृष्ट समाजसेवी थे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी होने के नाते आपका प्रथम कर्त्तव्य अपने लक्ष्य का निर्धारण करना है और उसके बाद उसे प्राप्त करने के लिए ईमानदारी से मेहनत करना है।

उन्होंने कहा कि समाज निर्माण में नैतिक मूल्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। उन्होंने स्वयंसेवियों को सत्य, ईमानदारी, प्रेम, बड़ों का आदर, देश प्रेम एवं राष्ट्रहित जैसे नैतिक आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि अपने 36 वर्ष के शैक्षणिक जीवन में उन्होंने हजारों विद्यार्थिओं को शिक्षा प्रदान की और उनमें से बहुत से अच्छे-अच्छे पदों पर नियुक्त हुए हैं। इस अवसर पर उन्होंने एन.एस.एस. इकाई की संयोजिका मोनिका का विशेष जिक्र किया, जो कि 2001-2002 के दौरान उनकी विद्यार्थी रही।

उन्होंने कहा कि जीवन में अगर आप पूर्ण निष्ठा से कार्य करते हैं तो परमपिता परमात्मा भी आप की सहायता अवश्य करते हैं और आप अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लेते हैं। इस अवसर पर सहायक प्रोफैसर ज्योति बाला, विकास कुमार एवं दीप कुमार भी उपस्थित रहे।